



उपि x उं हूँ ए x उं ॐ x ज x व x क x म
त्रि वा ॐ x व + सू x न ॐ x ना x सर्व दि x ॐ

आदि ॥ धृती न कि या ग सभा य प प पू ज्ञा न

मृति ॥ ॐ न म श्री गुरु म हा वा य ये जो ती ल

वर्त्म महा वि न ख प्र या ग का र्ज नी स व ई मृ नि को रं

व ॐ च न बी न न सा म्य हं ॐ य मी न कं

2699

म हा

वि नं प्र हां न कं ग ल्ये व न

चे वि धा न का ते ग ज

नी ल दं द म हा व न उ ल्ली x ॥ ॐ ॐ

द्रा द थ म हा वि न न क पाल म हृ

का किल य नु द ग क्रा ट लो क या न

नमो भगवते ॥ धनतलन ॥ धनता मल्लुल
सि नके पूजा नतसि धूज न म स्वा नैवी
धर्म धन नम न ध ध मा गत धा धा ध
न देव ता ई ति ॥ धन ल स मि नान ॥ ५ ॥
गि न आ दि पदि प्या वि ष म हा श्री द न
क न्य वा हा ना य दा न प न ॥ धन नि पू मि
दु र श्री वा लु स हा वा ष न द गे क्र ध

धन नका य देव ता ई ति ॥ ७ ॥ धन र स रि
स्वा हा ॥ धन न शि क न मा धा स न कि
न गुरि स स न पा न न यि य श्री ॥ पू जा ला स
ही न ॥ न ल न ॥ ॥ धन दू य ई डू ल स
दू य दू क वि य ॥ धन ग म ल वि य ॥ दू य
दू स दू र ता ग न य नि न स र ध न कि ना
य क ल श्री य ॥ ॥ धन दि ग व लि वि य

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सनिष्ठं तं ग
निवीधमिति कियुत्तु धे स कय सा यध
सायन विगुलधनं गुलधनं त्रिगुधनं
लक्ष्मीं धनं त्रिशा नागान् धनं स ह्यहानु
दानं नं पूर्वस्यादि जि स्या ह्य ॥ ५ ॥ ॐ नमो
निधनं धनं त्रिधा नं का लव त्रिधं क सि
किरीटं धनं मय धनं धनं धनं धनं धनं

निधनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
राशि धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
स्यादि जि स्या ह्य ॥ ५ ॥ ॐ नमो
वर्तनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
त्रिधं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं
धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं धनं

प्रसर्ग एद्वी वऊ न वक्र ना जाने च दं पं
 दहि म पर्व ग सुख ना गु लु का कि व श वा ने
 वि नु का नि स्व म्मा नु दान प न उरु र स्या
 दि गि स्वा हा ॥ ३ ॥ वि दी ग सं र ड व अ व क धा
 प्र व क्त ग्व न व क्त उ धा न व क्त न रि सा न
 अ व ल अ न ल नू व ल अ न नि द न नि ग्ट न व ना
 ग्र वा क्त सा न व न म्मा नि स्व म्मा नु दान य दू दि ग वि
 दि ग ए ४ ॥ स्वा हा ॥ ॥ स्वाने वा य पूरा तु ॥ वन म सा

म हा वा वि य ॥ धन पूर्ण या म कार का य ॥ स्व रि
 वा क्त ॥ ॥ ॐ अ गु आ दि प दि प्या वि षा वि ष म हा श्री
 ह व क क वा वा ह ना य दान प ति न् म क्त स म्मा यू ज्ञा ना
 ग्व शृ ए रु ल का म्ना र्थ नी अ म्क द व गा ज्ञा ना व ना म्मा
 नि षा रि क्त रू पूर्ण दू मि ग्ट द्वा र स्व मि स्वा हा ॥ ॥ पूर्ण वि
 न का यः ति य ना ह न य न स क स्मा ॥ ॥ ख न ना हा ग वा
 य ॥ ॥ थ ना दि गु वा वि ने ॥ स म य धा ला म न उ ध र्मा
 स्वा कि न न गु न पू ज्ञा द उ ना दि गु स म य क्त य म नु ल
 वि म र्ज न म नु ल स्वा न न गु न पू ज्ञा द उ ना दि गु स म य
 क्त य म नु ल वि स र्ज न ॥ न लु ल स्वा न न स

गर्भगर्भकनसकोकायकलासारिषककाजसि
द्रुलनियक॥ जसिवायस्नानविषयः दिगुसम
यकोयसमयकाय॥ अन्तराष्ट्रानि विद्वि व हृदय
॥ ॐ उ उ उ २ स्वाहा ॥ ॥ कालं स्वस्तिवाकं ॥ ॥ ॐ उ उ
वृग्निदेवता विराजः ॥ ॥ ॐ उ उ ॥ ॥ ॐ उ उ ॥ ॥

श्री ह सूत्रक्रियासमाप्तिग

स्वनमूनायाञ्जनलककायगथथ
सुपनथथाः कलसंगमसग्रमपिम
गसि द्वाभाहनि क्कमालिथपिकापिच्छुऊव
धर्मसप्रधुतिधपनमशानथ्यकलसपूजा
का मालि पूजा धून का उ मत्रालसंयाशं ह
ययागगुममदलकनिमगगालवासग
॥ अन्तरीषन किंकिचिकापिन्नुषात्रवीवलनि

वासनं जानकं यथ न सिजन गुरुया कं प्रा
र्थना याग सा गुरुर्दं मिथस वादि कथं जाना
नि प्रावति वने मम कं गुरुनाथ तं गुरुर्दं
अजन शल सा ॥ २ ॥ कवय्या सदा सर्वका
ल न मया माओ धल पाओ जान जीम कुरु न
बनिया दिन स कुरु पा न पनि सन थापि दण
पाठ कि कि लि कापी लु पा ग्रन्थ ल नि वासन
कुल पा पनि रन सिका स विद्या य मालय

मालध कं: सि कन गुरुया कं प्रार्थना या
गं गुरुवाच तं सि कन कुरु त सा सदा सर्व
कालं श्राम गुरु लि प्रव क वय्य बल न पाओ
जान माल: अरु न तं कुरु न र म गुरु लि आव
क वय्य स धन लय मरु धाल सा आओ कुरु
न ग मा हा या न वय्य न या कं शन ध कं गु
लून आ द स नि या थ न सि कन द ना व
जि जी लि का पि लु पा य व व नि वासन

गुर्यागलउंद्रुसं निजाथनसकै विजाडव
सुलउंद्रु यैवसुं सुकैस रुयवजलजा
तयचाकभूजाको गनैकै गुरुपूजायैरुमा
पंथगि॥४॥ ॐ धनज्जस्मिपतीस्मवि
धन॥ नैकससिजखालासगया॥ लंखन
सित्पु॥ ॐ कानपकानगाननयाया॥ मनु
ध॥ ॐ सर्वपापदहनवजायइंरुट॥ ॐ सर्व
पापविश्वधनइंरुट॥२॥ ॐ सबकर्मवन्तु

नि एस्मीकूलइंरुट॥ ॐ निनासावननानी
इंरुट॥४॥ ॐ विश्वधयावननानिइंरुट॥३॥
ॐ सबकर्मवननानिइंरुट॥१॥ ॐ द्वात्रिंश
केश्याहननानिइंरुट॥१॥ ॐ संहनरस
लश्याहननानिइंरुट॥६॥ ॐ रुनरसवव
लनानि यइंरुट॥५॥ ॐ इंसवावलनानि
इंरुट॥१०॥ ॐ अत्रसवावननानि यइंरुट
॥११॥ ॐ त्रिंदरसववलनानिइंरुट॥१२॥ ॐ दह
रसर्वनलकगतिइंरुट॥१३॥ ॐ पत्रसव

प न ग गृहं पुन इंदु ॥१॥ वृत्तिः कायका
न ता व न ॥ अलिगं श्री धर्म सिलो डो लो सा इ
: पंचामृतन सना न या के । धून का डो के स
खोला स ग य ॥ सि ज खोला स ग य ॥ सि ज
खोला स ग य ॥ सि ज खोला स ग य ॥ अ न
लं वः पंचामृतन सना न या के कू १ प्रा की कू १
अ सं ख दित् व क ५ हु य क १ पंच न त धू नि
ज स न ग य ॥ ध न पू जा ह पा न १ ॥ नू स्ती प ग

स्वाया पूजाया यत्रा व द् प त्रि म ता स ग न ॥ यः ।
पंच वृ द्द ख रू पं पू जा । ये न दं व ता ई कू मा पं या
ना का य दं व थ म य ॥ धू स्म लि पू जा या य ल कू चे
त ग व त्रि ल चं ना पं पू जा या य ॥ धून का डो ॥ धू
ले नि प थ अ ल २५ य प धू का डो दे डो ना ई नि
वी य ॥ कू मा य र वा ग म नि कू य ॥ धू नि गु दं गु
दि नू स्ति प नि स्तु ॥ स मा फ ॥ गु ए ॥

श्री

ॐ नमः सा कनाथा य ४॥ * सखं कुन ददु खान
ए न स स्री दी संपन्न वलं सथीनं सर्वं नं विविध
न मा ए य द नं श्री पा स शा हा ग मं वा मि ना पि क म
लं वू च क म लं दं दं ग कं पू स ग कं वं दं दं प न म व
नं वू सिल सा ला का न्कं पा म यं ४॥ *
शु क्रां वं कृ वी चान सा न प न मा मा द्यां ज ट न्या

पी नी वि ना पू स ग क धा रि नि म ए य दा या द्यां ध
का ना प्र हा द हं हं फ रि क मा नि कां वि द ध रि प क
स नं स थि तां वं दं तं प न म व रि ए ग व रि वृ धी प्र
दा सा न दा ॥ ॥ * कं कू मा ल न वू वा कृ प्र सा प्र
स ग क धा रि नी ह न स वा ह न सं य गु द वी वि द्या स
न स रि ॥ ॥ * वृ ध वू वा य ध म न् वा य म न
म न म रु सं व रू पा य ध म रू पा य म न म ४॥ * ॐ

विश्वकामानमसगुणं ब्रह्मा क्य स्थी कानक सर्वत्र
 धनं कानां च नमस्तु विष्णु कानमन ॥ ॐ ॥ मंजु
 श्रीर्यं महा विरं वरगि प्र सतक श्रारिनि अंशे
 सन्न धरं देवि मंजु धारण मा मी हं ॥ ॐ ॥ वरदा मृदा
 दा देवि वाग देवि परमे स्वरि विद्या देवि
 यस्त्र वृत्रि रक्ष मा परमे स्वरि ॥ ॐ ॥ कानं कान
 कृदि स विना स न प द सां तं महा तं ज स
 कर ना ज मी ग प्ति तं क प्र सा स या क्ष पि नी च्छि
 मया ॥ ॐ ॥ मं वं दे स

मान मंजु कुमार नाथ म ॥ ॐ ॥ दा हं स या
 ॥ ॐ ॥ न मं ॥ श्री ही म ना ॥ ॐ ॥ म हा ना
 ज ना ज ना ज ना ज प रि म म न म हा सै द नानं
 द सं दं ह ग म ॥ ॐ ॥ प्र सा स या क्ष पि नी च्छि
 ॥ ॐ ॥ नि नां ॥ ॐ ॥ नो ॥ ॐ ॥ दि दृ द्या वी ॥ १ ॥ ॐ
 न म लो क क्षा तू ख नं ॥ ॐ ॥ स या वं तू स ग ना जी न
 का य न म न सा का ना नां स र वा प्र न मा मि हं



निजागदलागणयनपतसर्वविधोप्रमाणार्थलजाकुलसमि
 स्वाहा॥ ॥ यत्तुहृदिगालोकेवाप्युक्तकर्मनिजायादि
 पूज्यन्त॥ ॐ ह्रीं वायसलाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं यमाय
 गाधीपतिस्वाहा ॐ वलनायनागाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं यमाय
 गाधिवनमस्वाहा ॥ ॐ ह्रीं जगन्नाथाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं कृष्णकयम
 दिपतीयस्वाहा ॥ ॐ वायव्यपवनोधिपतियमाहा ॥ ॐ ह्रीं जगन्ना
 धिवतियमाहा ॥ ॐ यशस्वामि ॐ ह्रीं द्वादशमहोनागसोम
 यालामहृदिना ॥ ॥ तत्तन्मम ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि
 ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि
 ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि

कननं ॥ ॐ यत्तुहृदिगालोकेवाप्युक्तकर्मनिजायादि
 ॐ वाक् ॥ ॐ ह्रीं वायसलाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं यमाय
 गाधीपतिस्वाहा ॐ वलनायनागाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं यमाय
 गाधिवनमस्वाहा ॥ ॐ ह्रीं जगन्नाथाधिवति यमाहा ॥ ॐ ह्रीं कृष्णकयम
 दिपतीयस्वाहा ॥ ॐ वायव्यपवनोधिपतियमाहा ॥ ॐ ह्रीं जगन्ना
 धिवतियमाहा ॥ ॐ यशस्वामि ॐ ह्रीं द्वादशमहोनागसोम
 यालामहृदिना ॥ ॥ तत्तन्मम ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि
 ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि
 ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि ॐ ह्रीं यशस्वामि

हं गंगा सिद्धं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १ ॥
सिद्धं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ २ ॥
नाय स्वाहा ॥ ३ ॥
सुद्धं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ४ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ५ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ६ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ७ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ८ ॥

वज्रं ॐ सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ९ ॥
वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १० ॥
सुद्धं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ ११ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १२ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १३ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १४ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १५ ॥
सर्वं ॐ वज्रं वृज्जाय स्वाहा ॥ १६ ॥

अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
आविष्महे श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मूढवता आनाधनाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इति गुरुं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वसनादिकं कुरुते नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
लाभो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
निष्कलं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वासुदेवदिगमयूखा नांहा नाकृष्ण ॥ वज्राकुम्भादिरित्वा
 नियमूलगादवाप्तवक्त्रज्ञानसमाधानीनखीनमीरुग
 विहावा ॥ ५ ॥ वनगुलावउदा ॥ शक्यनपापूअन्ना
 ॥ ॥ दिष्टलियावा ॥ लव ॥ य १ २ ॥ वनवर्गभवर्हपं पूजा
 पूजा लास्या मुनिगन्धन ॥ वनज्ञानाईति ॥ का रैस्व
 मि वाक्क ३ ॥ अग्नि आदि य्यां विष्णु विषमद्वयधी

ॐ श्रीदिगम्बरनाग ॥ ॐ वल्लभ महानाथ नाथ इह रुट
स्वाहा ॥ कृष्ण च नाथ इह रुट स्वाहा ॥ ॐ श्री गौच नाथ
इह रुट स्वाहा ॥ ॐ पीता च नाथ इह रुट स्वाहा ॥ ॐ जन्ता च
लय इह रुट स्वाहा ॥ ॐ अस्मा च नाथ इह रुट स्वाहा ॥ ॐ
द्वेषव जिह रुट स्वाहा ॥ ॐ मोहव जीह रुट स्वाहा ॥
ॐ पिण्ड नव जिह रुट स्वाहा ॥ ॐ पाणव जिह रुट

स्वाहा ॥ ॐ श्री गौ वजीह रुट स्वाहा ॥ ॐ पिबूरुप
इवद्वे नी शलरमद्वनी श्री श्री रदिवद्वनीह रुट स्वाहा ॥
ॐ यंमान का य इह रुट स्वाहा ॥ ॐ प्रमान ॥ ॐ य प्रा
ॐ निद्रा ॥ ॐ ज्वर ॥ ॐ टक्की ॥ ॐ नील ॥ ॐ महाव ॥